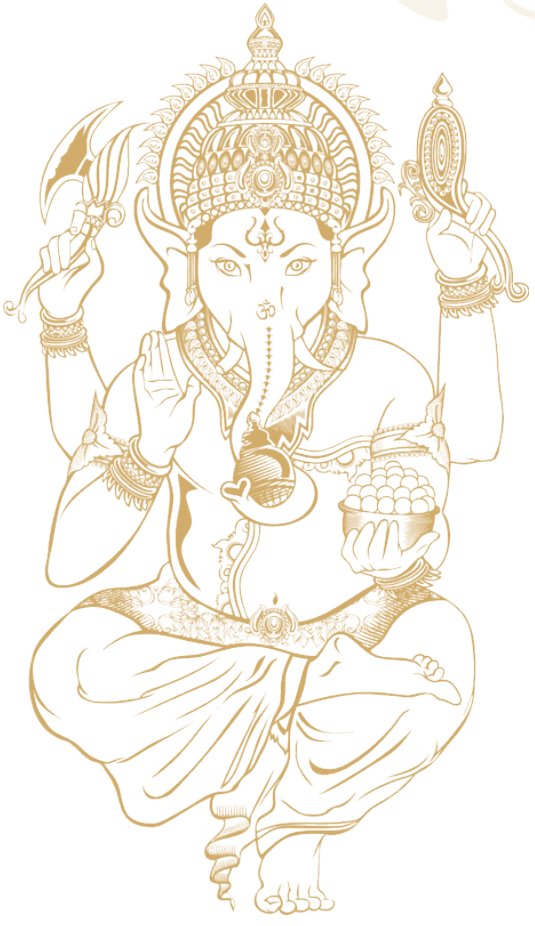

HIMANSHU AGGRAWAL

06 Oct 1994

05:57 AM

Sadabad

Model: Web-VarshDetails

Order No: 121741801

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
5-06/10/1994	जन्म तिथि	**06/10/2026**
बुध-गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 05:57:00	जन्म समय	10:46:58 घंटे
घटी 59:21:38	जन्म समय(घटी)	11:24:58 घटी
India	देश	India
Sadabad	स्थान	Sadabad
उत्तर 27:27:00	अक्षांश	27:27:00 उत्तर
पूर्व 78:03:00	रेखांश	78:03:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:48	स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:20	सूर्योदय	06:12:58
17:58:52	सूर्यास्त	17:58:35
23:47:14	चित्रपक्षीय अयनांश	24:14:00

कन्या	लग्न	वृश्चिक
बुध	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
तुला	राशि	कर्क
शुक्र	राशि-स्वामी	चन्द्र
चित्रा	नक्षत्र	आश्लेषा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	बुध
3	चरण	3
वैधृति	योग	साध्य
बव	करण	बव
रा-राकेश	जन्म नामाक्षर	डे-डेम
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
व्याघ्र	योनि	मार्जार
राक्षस	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	श्वान
32	गत/तत्कालिक वर्ष	33

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व अ	ग्रह	व अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
हस्त	2	14:25:59	कन्या		लग्न		वृश्चि	17:16:11	1	ज्येष्ठा
हस्त	3	18:44:39	कन्या		सूर्य		कन्या	18:44:39	3	हस्त
चित्रा	3	00:39:32	तुला		चंद्र		कर्क	23:23:06	3	आश्लेषा
पुष्य	2	06:58:47	कर्क		मंगल		कर्क	10:28:12	3	पुष्य
स्वाति	2	12:05:54	तुला		बुध		तुला	13:03:09	2	स्वाति
विशाखा	1	22:16:34	तुला		गुरु		कर्क	26:16:24	3	आश्लेषा
विशाखा	1	23:14:46	तुला		शुक्र	व	तुला	14:05:28	3	स्वाति
शतभिषा	2	12:52:03	कुंभ	व	शनि	व	मीन	16:56:06	1	रेवती
विशाखा	1	21:16:56	तुला	व	राहु		कुंभ	04:52:13	4	धनिष्ठा
भरणी	3	21:16:56	मेष	व	केतु		सिंह	04:52:13	2	मघा
उत्तराषाढ़ा	1	28:36:27	धनु		मु		वृष	14:25:59	2	रोहिणी

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:14:00

लग्न-चलित

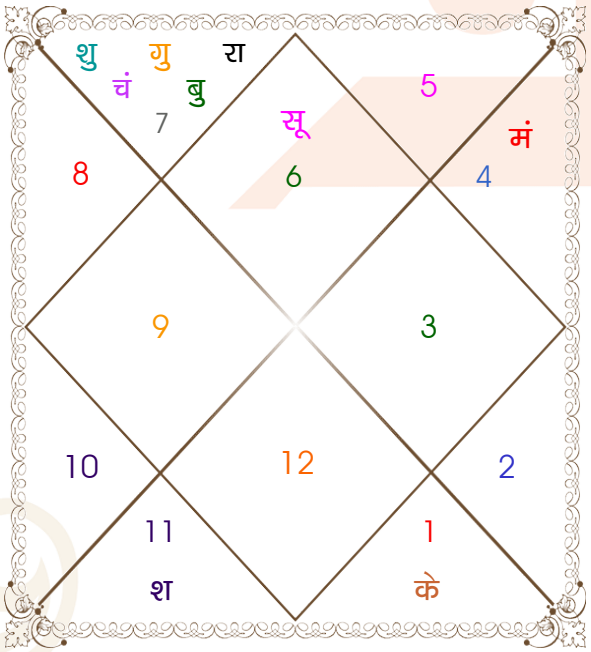

वर्ष लग्न कुंडली

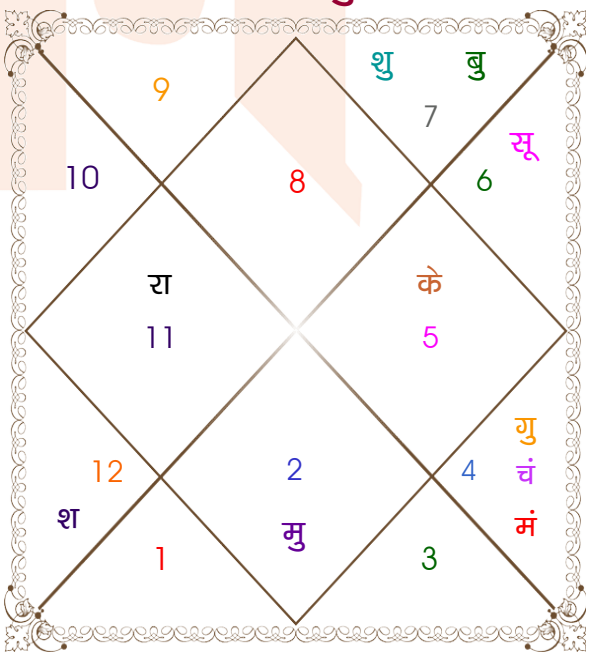

चन्द्र कुंडली

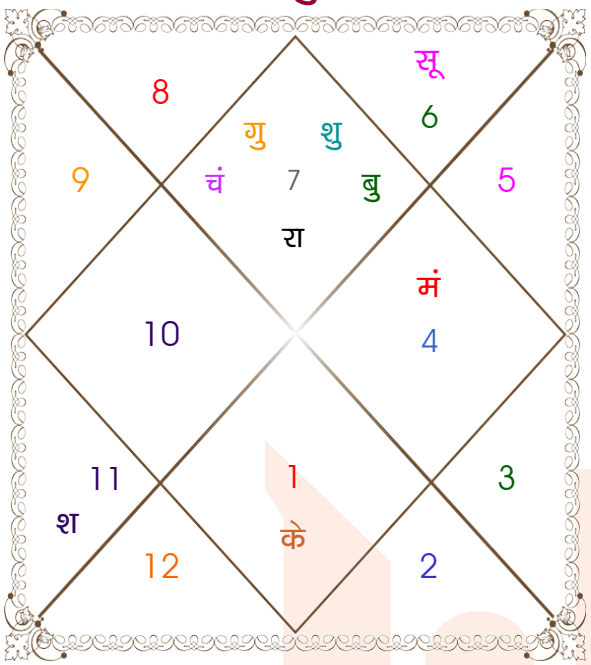

वर्ष चन्द्र कुंडली

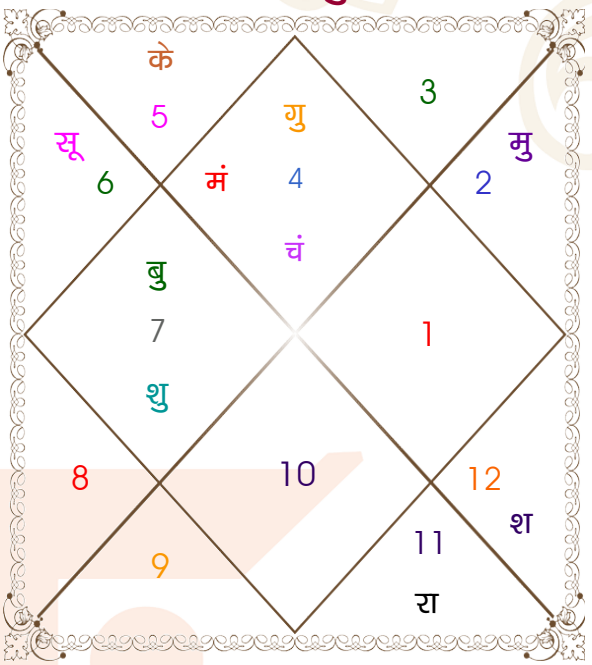

नवमांश कुंडली

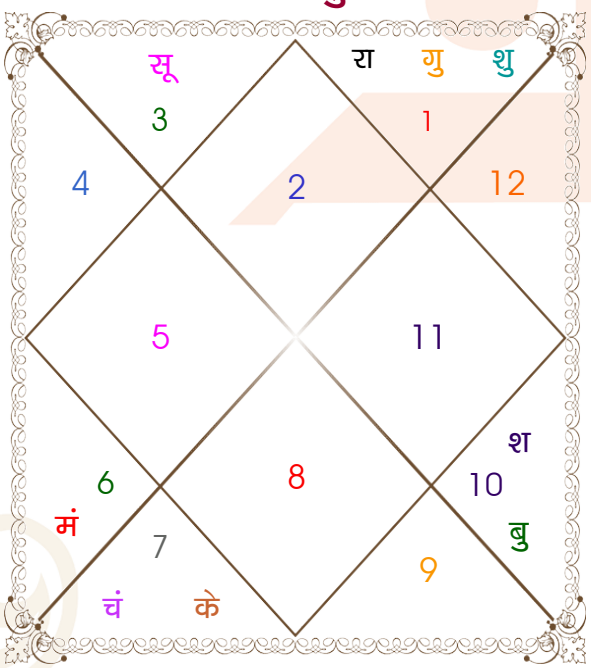

वर्ष नवमांश कुंडली

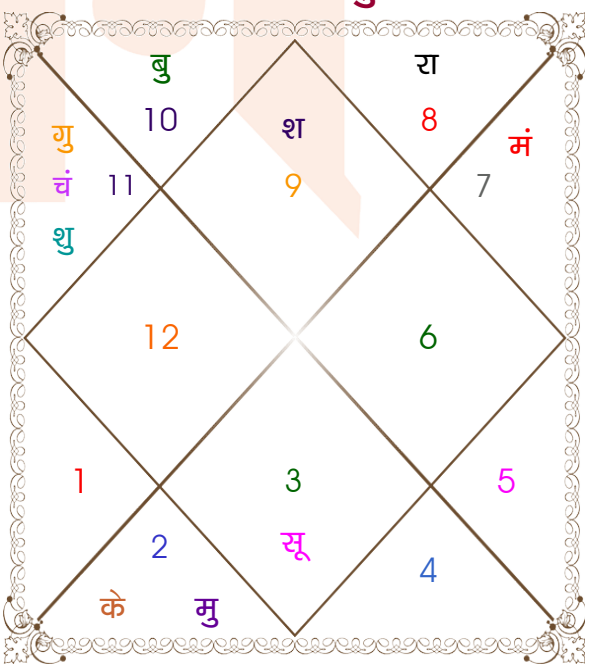

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	सम	शत्रु
चन्द्र	मित्र	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
मंगल	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
बुध	सम	शत्रु	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	सम
गुरु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---	शत्रु	मित्र
शुक्र	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---	सम
शनि	शत्रु	मित्र	मित्र	सम	मित्र	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	वृश्चि	कन्या	कर्क	कर्क	तुला	कर्क	तुला	मीन
होरा	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	सिंह	वृष	कर्क	कन्या	कुंभ	कर्क	कुंभ	मीन
चतुर्थांश	वृष	मीन	मेष	तुला	मक	मेष	मक	कन्या
पंचमांश	मीन	मक	मक	कन्या	धनु	वृश्चि	धनु	मीन
षष्ठांश	मक	मक	कुंभ	धनु	मिथु	मीन	मिथु	मक
सप्तमांश	कन्या	कर्क	मिथु	मीन	मक	कर्क	मक	धनु
अष्टमांश	धनु	कन्या	तुला	मिथु	कर्क	वृश्चि	कर्क	कन्या
नवमांश	धनु	मिथु	कुंभ	तुला	मक	कुंभ	कुंभ	धनु
दशमांश	धनु	वृश्चि	तुला	मिथु	कुंभ	वृश्चि	कुंभ	मेष
एकादशांश	मेष	कुंभ	कुंभ	कन्या	मक	मीन	कुंभ	सिंह
द्वादशांश	वृष	मेष	मेष	वृश्चि	मीन	वृष	मीन	कन्या

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	स्व	शत्रु	शत्रु	शत्रु	स्व	मित्र
होरा	स्व	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	सम	शत्रु
द्रेष्काण	सम	स्व	शत्रु	सम	शत्रु	सम	मित्र
चतुर्थांश	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	सम	सम
पंचमांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
षष्ठांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व	स्व	शत्रु	स्व
सप्तमांश	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	सम	मित्र
अष्टमांश	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
नवमांश	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	सम	मित्र
दशमांश	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	सम	मित्र
एकादशांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	स्व	सम	शत्रु
द्वादशांश	मित्र	शत्रु	स्व	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
शुभ	5	7	1	1	4	1	7
सम	4	0	0	7	0	7	3
अशुभ	3	5	11	4	8	4	2
कुल	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	5	0	0	5	5	0
तृतीय बल	5	5	0	0	0	0	0
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	10	5	0	10	5	0
बल	सामान्य	सामान्य	क्षीण	अतिक्षीण	सामान्य	क्षीण	अतिक्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	30.00	7.50	7.50	7.50	30.00	22.50
उच्च बल	2.36	11.07	1.95	16.88	17.64	1.90	3.67
हददा बल	11.25	3.75	3.75	15.00	11.25	3.75	7.50
द्रेष्काण	5.00	10.00	2.50	5.00	2.50	5.00	7.50
नवमांश	2.50	3.75	1.25	2.50	3.75	2.50	3.75
कुल	36.11	58.57	16.95	46.88	42.64	43.15	44.92
विंशोपक	9.03	14.64	4.24	11.72	10.66	10.79	11.23
बल	सामान्य	शुभ	क्षीण	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	बुध	11.72	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	मंगल	4.24	अतिशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	शुक्र	10.79	दृष्टि नहीं	मंगल
दिवापति	बुध	11.72	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	मंगल	4.24	अतिशुभ	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	कन्या	21:54:38	बुध	12/06/2027
गुरु	कुम्भ	12:37:44	शनि	18/10/2027
ज्ञान	कुम्भ	12:37:44	शनि	18/10/2027
यश	कन्या	21:37:57	बुध	12/06/2027
मित्र	मीन	04:48:34	गुरु	10/06/2027
माहात्म्य	कुम्भ	28:42:37	शनि	06/11/2027
आशा	मेष	20:06:49	मंगल	16/08/2027
समर्थ	धनु	17:16:11	गुरु	19/02/2027
भातृ	मेष	26:36:29	मंगल	23/08/2027
गौरव	तुला	21:37:57	शुक्र	10/10/2026
राजा	वृष	15:27:38	शुक्र	06/06/2027
पितृ	वृष	15:27:38	शुक्र	06/06/2027
मातृ	सिंह	26:33:49	सूर्य	23/07/2027
सुत	धनु	20:09:29	गुरु	21/02/2027
जीव	कर्क	07:55:53	चन्द्र	27/09/2027
अम्बु	सिंह	26:33:49	सूर्य	23/07/2027
कर्म	सिंह	14:41:14	सूर्य	12/07/2027
रोग	मीन	11:09:16	गुरु	17/06/2027
कामदेव	मकर	00:11:04	शनि	18/08/2027
कलि	मकर	03:04:23	शनि	21/08/2027
क्षेम	मकर	03:04:23	शनि	21/08/2027
शास्त्र	मीन	22:23:27	गुरु	30/06/2027
बन्धु	मीन	06:56:14	गुरु	12/06/2027
बंधक	सिंह	27:36:07	सूर्य	24/07/2027
मृत्यु	कुम्भ	14:08:54	शनि	20/10/2027

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	धनु	17:48:41	गुरु	19/02/2027
अर्थ	मेष	11:35:40	मंगल	06/08/2027
परदारा	मकर	12:37:00	शनि	01/09/2027
अन्यकर्म	मेष	23:43:10	मंगल	20/08/2027
वणिक	सिंह	27:36:07	सूर्य	24/07/2027
कार्यसिद्धि	मेष	11:14:37	मंगल	06/08/2027
विवाह	कर्क	14:25:33	चन्द्र	03/10/2027
प्रसूति	कन्या	00:29:26	बुध	28/05/2027
संताप	मकर	14:08:54	शनि	03/09/2027
श्रद्धा	मीन	20:53:27	गुरु	28/06/2027
प्रीति	मेष	07:59:17	मंगल	02/08/2027
बल	कन्या	21:37:57	बुध	12/06/2027
देह	कन्या	21:37:57	बुध	12/06/2027
जाडय	मीन	06:35:15	गुरु	12/06/2027
व्यापार	सिंह	14:41:14	सूर्य	12/07/2027
जलपतन	मीन	06:35:15	गुरु	12/06/2027
शत्रु	मेष	10:48:17	मंगल	05/08/2027
शौर्य	कुम्भ	28:42:37	शनि	06/11/2027
उपाय	कर्क	07:55:53	चन्द्र	27/09/2027
दरिद्रता	कन्या	21:54:38	बुध	12/06/2027
गुरुता	मिथुन	08:31:32	बुध	11/07/2027
जलपथ	मेष	15:20:05	मंगल	10/08/2027
बंधन	मिथुन	22:14:43	बुध	27/07/2027
कन्या	मीन	07:58:33	गुरु	13/06/2027
अश्व	तुला	27:05:35	शुक्र	14/10/2026

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

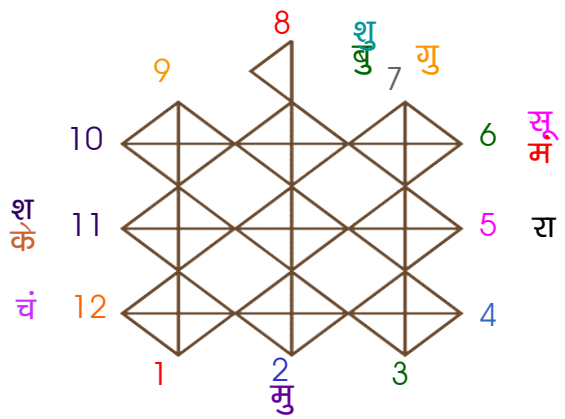

पात्यंश दशा

मंगल		बुध		शुक्र		शनि		लग्न	
06/10/2026		01/03/2027		05/04/2027		20/04/2027		29/05/2027	
01/03/2027		05/04/2027		20/04/2027		29/05/2027		03/06/2027	
मंगल	03/12/2026	बुध	04/03/2027	शुक्र	06/04/2027	शनि	24/04/2027	लग्न	29/05/2027
बुध	17/12/2026	शुक्र	05/03/2027	शनि	08/04/2027	लग्न	25/04/2027	सूर्य	30/05/2027
शुक्र	23/12/2026	शनि	09/03/2027	लग्न	08/04/2027	सूर्य	27/04/2027	चंद्र	31/05/2027
शनि	08/01/2027	लग्न	10/03/2027	सूर्य	09/04/2027	चंद्र	04/05/2027	गुरु	31/05/2027
लग्न	10/01/2027	सूर्य	12/03/2027	चंद्र	11/04/2027	गुरु	08/05/2027	मंगल	02/06/2027
सूर्य	18/01/2027	चंद्र	18/03/2027	गुरु	13/04/2027	मंगल	24/05/2027	बुध	02/06/2027
चंद्र	13/02/2027	गुरु	22/03/2027	मंगल	18/04/2027	बुध	28/05/2027	शुक्र	03/06/2027
गुरु	01/03/2027	मंगल	05/04/2027	बुध	20/04/2027	शुक्र	29/05/2027	शनि	03/06/2027

सूर्य		चंद्र		गुरु		मंगल	
03/06/2027		24/06/2027		27/08/2027		06/10/2027	
24/06/2027		27/08/2027		06/10/2027		00/00/0000	
सूर्य	04/06/2027	चंद्र	05/07/2027	गुरु	31/08/2027	मंगल	06/10/2027
चंद्र	08/06/2027	गुरु	12/07/2027	मंगल	16/09/2027		00/00/0000
गुरु	10/06/2027	मंगल	07/08/2027	बुध	20/09/2027		00/00/0000
मंगल	18/06/2027	बुध	13/08/2027	शुक्र	22/09/2027		00/00/0000
बुध	20/06/2027	शुक्र	16/08/2027	शनि	26/09/2027		00/00/0000
शुक्र	21/06/2027	शनि	23/08/2027	लग्न	27/09/2027		00/00/0000
शनि	23/06/2027	लग्न	23/08/2027	सूर्य	29/09/2027		00/00/0000
लग्न	24/06/2027	सूर्य	27/08/2027	चंद्र	06/10/2027		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

केतु		शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल	
06/10/2026		27/10/2026		27/12/2026		14/01/2027		14/02/2027	
27/10/2026		27/12/2026		14/01/2027		14/02/2027		07/03/2027	
केतु	07/10/2026	शुक्र	06/11/2026	सूर्य	28/12/2026	चंद्र	17/01/2027	मंगल	15/02/2027
शुक्र	11/10/2026	सूर्य	09/11/2026	चंद्र	30/12/2026	मंगल	19/01/2027	राहु	18/02/2027
सूर्य	12/10/2026	चंद्र	15/11/2026	मंगल	31/12/2026	राहु	23/01/2027	गुरु	21/02/2027
चंद्र	14/10/2026	मंगल	18/11/2026	राहु	02/01/2027	गुरु	27/01/2027	शनि	24/02/2027
मंगल	15/10/2026	राहु	27/11/2026	गुरु	05/01/2027	शनि	01/02/2027	बुध	28/02/2027
राहु	18/10/2026	गुरु	05/12/2026	शनि	08/01/2027	बुध	05/02/2027	केतु	01/03/2027
गुरु	21/10/2026	शनि	15/12/2026	बुध	10/01/2027	केतु	07/02/2027	शुक्र	04/03/2027
शनि	24/10/2026	बुध	24/12/2026	केतु	11/01/2027	शुक्र	12/02/2027	सूर्य	05/03/2027
बुध	27/10/2026	केतु	27/12/2026	शुक्र	14/01/2027	सूर्य	14/02/2027	चंद्र	07/03/2027

राहु		गुरु		शनि		बुध		बुध	
07/03/2027		01/05/2027		19/06/2027		15/08/2027		15/08/2027	
01/05/2027		19/06/2027		15/08/2027		06/10/2027		06/10/2027	
राहु	15/03/2027	गुरु	07/05/2027	शनि	28/06/2027	बुध	23/08/2027	बुध	23/08/2027
गुरु	23/03/2027	शनि	15/05/2027	बुध	06/07/2027	केतु	26/08/2027	केतु	26/08/2027
शनि	31/03/2027	बुध	22/05/2027	केतु	09/07/2027	शुक्र	03/09/2027	शुक्र	03/09/2027
बुध	08/04/2027	केतु	25/05/2027	शुक्र	19/07/2027	सूर्य	06/09/2027	सूर्य	06/09/2027
केतु	11/04/2027	शुक्र	02/06/2027	सूर्य	22/07/2027	चंद्र	10/09/2027	चंद्र	10/09/2027
शुक्र	20/04/2027	सूर्य	04/06/2027	चंद्र	27/07/2027	मंगल	13/09/2027	मंगल	13/09/2027
सूर्य	23/04/2027	चंद्र	08/06/2027	मंगल	30/07/2027	राहु	21/09/2027	राहु	21/09/2027
चंद्र	28/04/2027	मंगल	11/06/2027	राहु	08/08/2027	गुरु	28/09/2027	गुरु	28/09/2027
मंगल	01/05/2027	राहु	19/06/2027	गुरु	15/08/2027	शनि	06/10/2027	शनि	06/10/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - शुक्र - बुध	
01/12/2025 06:50	
18/04/2026 06:26	
बुध	20/12/2025 19:58
केतु	28/12/2025 21:09
शुक्र	20/01/2026 21:05
सूर्य	27/01/2026 18:40
चंद्र	08/02/2026 06:38
मंगल	16/02/2026 07:48
राहु	09/03/2026 00:33
गुरु	27/03/2026 10:06
शनि	18/04/2026 06:26

गुरु - शुक्र - केतु	
18/04/2026 06:26	
14/06/2026 02:02	
केतु	21/04/2026 13:58
शुक्र	01/05/2026 01:14
सूर्य	03/05/2026 21:25
चंद्र	08/05/2026 15:03
मंगल	11/05/2026 22:36
राहु	20/05/2026 11:08
गुरु	28/05/2026 00:57
शनि	06/06/2026 00:51
बुध	14/06/2026 02:02

गुरु - सूर्य - सूर्य	
14/06/2026 02:02	
28/06/2026 16:40	
सूर्य	14/06/2026 19:34
चंद्र	16/06/2026 00:47
मंगल	16/06/2026 21:14
राहु	19/06/2026 01:50
गुरु	21/06/2026 00:35
शनि	23/06/2026 08:06
बुध	25/06/2026 09:47
केतु	26/06/2026 06:14
शुक्र	28/06/2026 16:40

गुरु - सूर्य - चंद्र	
28/06/2026 16:40	
23/07/2026 01:04	
चंद्र	30/06/2026 17:22
मंगल	02/07/2026 03:28
राहु	05/07/2026 19:07
गुरु	09/07/2026 01:02
शनि	12/07/2026 21:34
बुध	16/07/2026 08:22
केतु	17/07/2026 18:27
शुक्र	21/07/2026 19:51
सूर्य	23/07/2026 01:04

गुरु - सूर्य - मंगल	
23/07/2026 01:04	
09/08/2026 02:09	
मंगल	24/07/2026 00:56
राहु	26/07/2026 14:18
गुरु	28/07/2026 20:50
शनि	31/07/2026 13:37
बुध	02/08/2026 23:34
केतु	03/08/2026 23:26
शुक्र	06/08/2026 19:36
सूर्य	07/08/2026 16:04
चंद्र	09/08/2026 02:09

गुरु - सूर्य - राहु	
09/08/2026 02:09	
21/09/2026 22:04	
राहु	15/08/2026 15:56
गुरु	21/08/2026 12:12
शनि	28/08/2026 10:45
बुध	03/09/2026 15:46
केतु	06/09/2026 05:08
शुक्र	13/09/2026 12:27
सूर्य	15/09/2026 17:03
चंद्र	19/09/2026 08:42
मंगल	21/09/2026 22:04

गुरु - सूर्य - गुरु	
21/09/2026 22:04	
30/10/2026 21:07	
गुरु	27/09/2026 02:44
शनि	03/10/2026 06:47
बुध	08/10/2026 19:15
केतु	11/10/2026 01:48
शुक्र	17/10/2026 13:38
सूर्य	19/10/2026 12:23
चंद्र	22/10/2026 18:19
मंगल	25/10/2026 00:51
राहु	30/10/2026 21:07

गुरु - सूर्य - शनि	
30/10/2026 21:07	
16/12/2026 03:28	
शनि	07/11/2026 04:55
बुध	13/11/2026 18:13
केतु	16/11/2026 10:59
शुक्र	24/11/2026 04:03
सूर्य	26/11/2026 11:34
चंद्र	30/11/2026 08:06
मंगल	03/12/2026 00:52
राहु	09/12/2026 23:25
गुरु	16/12/2026 03:28

गुरु - सूर्य - बुध	
16/12/2026 03:28	
26/01/2027 12:57	
बुध	22/12/2026 00:13
केतु	24/12/2026 10:10
शुक्र	31/12/2026 07:45
सूर्य	02/01/2027 09:25
चंद्र	05/01/2027 20:13
मंगल	08/01/2027 06:10
राहु	14/01/2027 11:11
गुरु	19/01/2027 23:39
शनि	26/01/2027 12:57

गुरु - सूर्य - केतु	
26/01/2027 12:57	
12/02/2027 14:02	
केतु	27/01/2027 12:49
शुक्र	30/01/2027 09:00
सूर्य	31/01/2027 05:27
चंद्र	01/02/2027 15:32
मंगल	02/02/2027 15:24
राहु	05/02/2027 04:46
गुरु	07/02/2027 11:18
शनि	10/02/2027 04:05
बुध	12/02/2027 14:02

गुरु - सूर्य - शुक्र	
12/02/2027 14:02	
02/04/2027 06:50	
शुक्र	20/02/2027 16:50
सूर्य	23/02/2027 03:16
चंद्र	27/02/2027 04:40
मंगल	02/03/2027 00:51
राहु	09/03/2027 08:10
गुरु	15/03/2027 20:01
शनि	23/03/2027 13:04
बुध	30/03/2027 10:39
केतु	02/04/2027 06:50

गुरु - चंद्र - चंद्र	
02/04/2027 06:50	
12/05/2027 20:50	
चंद्र	05/04/2027 16:00
मंगल	08/04/2027 00:49
राहु	14/04/2027 02:55
गुरु	19/04/2027 12:47
शनि	25/04/2027 23:00
बुध	01/05/2027 16:59
केतु	04/05/2027 01:48
शुक्र	10/05/2027 20:08
सूर्य	12/05/2027 20:50

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

इस वर्ष आपकी वर्तमान शीघ्र गति ग्रह मंगल (कर्क 10:28:12), एवं मन्दगति ग्रह शनि (मीन 16:56:06), के मध्य है।

यह योग वर्ष में अत्यन्त ही शुभ एवं सफलता प्रदान करने वाला माना जाता है। अतः इसके शुभ प्रभाव से आपको भाइयों से पूर्ण सुख एवं सहयोग मिलेगा तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता उत्पन्न होगी। इस समय आपकी आत्मिक शक्ति में वृद्धि होगी तथा उत्साह एवं पराक्रम से कार्यो को सम्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपको संचार सुविधाएं यथा टेलीफोन आदि भी मिल सकता है। माता के स्वास्थ्य की दृष्टि से भी वर्ष उत्तम रहेगा तथा उनसे वांछित सहयोग की प्राप्ति होगी इस समय आपको भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी तथा इनमें वृद्धि भी होगी। साथ ही इस वर्ष मे मकान जमीन जायदाद या वाहन आदि की भी प्राप्ति होगी। स्नातक परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के लिए शिक्षा की दृष्टि से यह वर्ष बहुत ही अच्छा रहेगा तथा उन्हें इस परीक्षा में वांछित सफलता की प्राप्ति होगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त शुभफलदायक रहेगा। अतः सुअवसरों को हाथ से न जाने दें।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह मंगल (कर्क 10:28:12), एवं शीघ्र गति ग्रह सूर्य (कन्या 18:44:39), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग अच्छा नहीं माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस वर्ष में कार्य क्षेत्र में समस्याएं उत्पन्न होगी तथा अधिकारी वर्ग से मतभेद भी हो सकते हैं जिससे कार्य क्षेत्र की ओर से मानसिक तनाव बना रहेगा। व्यापारिक क्षेत्र के लिए समय शुभ नहीं है। इस समय व्यापार में लाभ मार्ग अवरूद्ध होंगे तथा अन्यत्र भी आपको असुविधाओं का सामना करना पडेगा। अतः इस वर्ष में कार्य का विस्तार एवं नवीन योजना का प्रारम्भ न करें। राजनीति से संबंध रखनें वालें लोगो को भी राजनैतिक क्षेत्र में किसी विशिष्ट उपलब्धि की आशा नहीं है। इस समय स्वंय पर नियंत्रण रखना ही श्रेयस्कर होगा। इस प्रकार वर्ष में आपको सोच समझकर ही कार्यो कलापों को सम्पन्न करना चाहिए तभी आप परेशानियों से सुरक्षित रह सकते हैं।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह मंगल (कर्क 10:28:12), एवं शीघ्र गति ग्रह बुध (तुला 13:03:09), के मध्य बन रहा है।

वर्ष में यह योग अच्छा नहीं माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस समय विशिष्ट लाभ के योग में कमी आएगी जिससे लाटरी जुए सट्टे या शेयर में सफलता नहीं मिलेगी। साथ ही शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में बाधाएं आएंगी। इस समय आपके आय स्रोतो में कमी आएगी तथा लाभ मार्ग भी अवरूद्ध होंगे फलतः आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी। इस समय प्रभावशाली लोगो से सम्पर्क भी कम ही बनेंगे तथा उनसे कोई विशेष या वांछित लाभ नहीं मिलेगा। अतः ऐसे समय में शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को अत्यन्त ही सोचसमझकर सम्पन्न करना चाहिए तथा व्यापारिक क्षेत्र में किसी नवीन कार्य का विस्तार नहीं करना चाहिए। इसराफ योग मन्दगति ग्रह मंगल (कर्क 10:28:12), एवं शीघ्र गति ग्रह शुक्र (तुला 14:05:28), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली मे यह योग अच्छा नहीं माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस समय आपका दाम्पत्य जीवन विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा पति पत्नी के मध्य तनावपूर्ण संबंध स्थापित होगे। विवाह योग्य लोगों का इस वर्ष विवाह में विलम्ब होगा। व्यापार के क्षेत्र में इस समय साझेदार से समस्यायें एवं परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं। साथ ही राजनीति के क्षेत्र में भी विशेष सफलता कम ही मिलेंगी इस वर्ष में व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा मानसिक तनाव भी उत्पन्न हो सकता है। ऐसे समय में आप को किसी भी प्रकार का पूंजीनिवेश या नवीन कार्य का प्रारम्भ नहीं करना चाहिए अन्यथा हानि के योग बनेंगे। इसके अतिरिक्त लम्बी दूरी या विदेश यात्रा से विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य तनाव आदि उत्पन्न होगा। अतः धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक समय व्यतीत करें।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

नक्त योग मंगल तथा गुरु के मध्य है क्योंकि सूर्य शीघ्र गति ग्रह है तथा दोनों को देख रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस समय स्त्री से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अविवाहितों का विवाह होगा। साथ ही स्त्री के द्वारा भाग्योन्नति भी हो सकती है। धन वैभव अर्जित करने के लिए भी वर्ष उत्तम होगा तथा स्ववाक्चातुर्य से अपने प्रभाव में वृद्धि करेगें। उच्चाधिकारीवर्ग से आपको इस समय लाभ होगा तथा जो लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय है वे राजनैतिक लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

यमया योग मंगल तथा चंद्र के मध्य है क्योंकि शनि मन्दगति ग्रह है तथा लग्नेश एवं कार्येश दोनों को देखता है।

इस योग के शुभ प्रभाव से आपके कार्य क्षेत्र में वांछित उन्नति एवं सफलता की प्राप्ति होगी यदि नौकरी पर है तो पदोन्नति का अवसर मिलेगा जिससे मान सम्मान एवं अधिकारों की वृद्धि होगी। व्यापार के क्षेत्र में व्यापार में विस्तार होगा अथवा कोई नया कार्य प्रारंम्भ होगा जिससे भविष्य में लाभ के प्रबल योग बनेंगे। धनार्जन की दृष्टि से वर्ष उत्तम फलदायी होगा। इस समय आपकी आय में वृद्धि होगी तथा आप के आय स्रोत एक से अधिक होगें जिससे आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। इसके अतिरिक्त प्रभावशाली लोंगो से भी सम्पर्क स्थापित होंगे।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

कम्बूल योग मंगल और शनि के मध्य बन रहा है क्योंकि चन्द्रमा का शनि से इत्थशाल हो रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष आप बन्धुवर्ग से वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेगें तथा आपसी संबन्धों मे मधुरता का भाव होगा। इस समय दूर समीप की लाभदायक यात्राएं भी संपन्न होंगी। साथ ही आप स्वपराक्रम एवं बुद्धिमता से शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी संचार सुविधाओं यथा टेलीफोन आदि में वृद्धि होगी तथा यदि प्रकाशन आदि के इच्छुक है तो इस वर्ष में आपको वांछित सफलता मिलेगी।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुरूफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

इस वर्ष आपकी वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश दुर्बल है अतः दुरूपयोग बन रहा है।

इस योग के प्रभाव इस वर्ष आपको स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्त होगी तथा दाम्पत्य जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। इस समय अविवाहितों के विवाह होने के भी प्रबल योग बनेंगे। साझेदार से इस समय आपको वांछित लाभ एवं सहयोग मिलेगा तथा जो लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय है उन्हें राजनैतिक लाभ की अवश्य प्राप्ति होगी। कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष श्रेष्ठ माना जाएगा। इस समय नौकरी में पदोन्नति होगी जिससे मान सम्मान एवं धन की वृद्धि होगी। व्यापारी वर्ग के लिए वर्ष उत्तम फलदायक सिद्ध होगा तथा उनके कार्य में विस्तार होगा जिससे आर्थिक सुदृढ़ता बनेगी। अतः वर्ष का लाभ उठाने के लिए सतत प्रयत्नशील रहना चाहिए।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से रूधिर या पित्तजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध के भाव की भी अधिकता रहेगी। इस समय आप जो भी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ करेंगे उनसे आपको अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। अतः मानसिक रूप से भी आप परेशान तथा व्याकुल रहेंगे जिससे मन में अशान्ति का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रुपक्ष से भी इस समय आप चिन्तित रहेंगे तथा घर में किसी चोरी आदि की संभावना रहेगी। इसके अतिरिक्त आग या दुर्घटना के द्वारा भी हानि हो सकती है। इस समय आपकी बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा कार्यो को शीघ्रता पूर्वक सम्पन्न करेंगे जिससे लाभ की अपेक्षा हानि की संभावना अधिक रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में हानि तथा समस्याएं रहेंगी जिससे लाभ मार्ग अवरूद्ध होंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा व्यवधान भी उत्पन्न होंगे। इस वर्ष में आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता रहेगी तथा किसी मिथ्या अपवाद के द्वारा आपको मान हानि का भी सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक ही आप आवश्यक धनार्जन कर सकेंगे परन्तु व्ययाधिक्य के कारण इसमें कोई विषमता भी उत्पन्न होगी। इसके अतिरिक्त प्रेम संबंधों में भी आप असफलता प्राप्त करेंगे तथा उद्देश्यहीन दूर की यात्राएं भी सम्पन्न होंगी। अतः इस वर्ष को शान्ति एवं बुद्धिमता से व्यतीत करें जिससे समस्याओं में न्यूनता रहेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें ।साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे ।मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा ।अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट एवं परेशानी से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय रक्त विकार संबधी कोई परेशानी भी हो सकती है।मानसिक रूप से भी इस समय आप चिन्तित तथा असन्तुष्ट रहेंगे। मित्र एवं संबधियों से इस समय आपके संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव की भी संभावना रहेगी तथा उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। संतति पक्ष के लिए भी यह वर्ष मध्यम रहेगा तथा उनके सुख एवं सहयोग में भी अल्पता रहेगी। परन्तु अपने कार्य क्षेत्र में वे परिश्रम पूर्वक उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस वर्ष में विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा लाभ मार्ग अवरूद्ध रहेंगे जिससे आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक मात्रा में होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा इसमें अनावश्यक व्यवधान तथा समस्याएं उत्पन्न होंगी। व्यापार में आपकी उन्नति तथा लाभ में न्यूनता रहेगी तथा नौकरी या कार्य क्षेत्र में पदोन्नति में विलम्ब तथा रूकावटें उत्पन्न होंगी। साथ ही विरोधी पक्ष भी इस समय प्रबल रहेगा अतः ऐसे समय में आपको नवीन कार्य प्रारंभ नहीं करने चाहिए तथा सहयोगियों तथा साझेदारों से भी सावधान रहना चाहिए। इस वर्ष में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे फलतः ये आपसे अप्रसन्न से रहेंगे। अतः ऐसे समय में उन्नति एवं लाभ अर्जित करने के लिए इनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता तथा परेशानी से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे तथा मन में असन्तुष्टि तथा व्याकुलता विद्यमान रहेगी। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा भाग्य बल की भी न्यूनता रहेगी साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी न्यूनाधिक मात्रा में सफल होंगे। मित्र एवं संबन्धियों से इस वर्ष आपके संबंध सामान्य रहेंगे तथा यदा कदा इसमें तनाव की अनुभूति होगी। अतः उनसे वांछित सुख एवं सहयोग में न्यूनता रहेगी। पारिवारिक सुख शान्ति भी इस समय मध्यम रहेगी तथापि यदा कदा मतभेद अवश्य रहेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा परन्तु धार्मिक कार्य कलापों का आप विशेष अनुसरण नहीं करेंगे। साथ ही संतति का सुख एवं सहयोग भी मध्यम रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष मध्यम रहेगा। इस समय आप परिश्रम एवं संघर्ष से व्यापार में उन्नति तथा लाभ मार्ग प्रशस्त करेंगे परन्तु नवीन कार्यो को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी आपकी उन्नति होगी परन्तु इसमें अनावश्यक विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे विशेष सन्तुष्ट नहीं रहेंगे परन्तु अन्ततोगत्वा आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे। आर्थिक स्थिति भी सामान्यतया अच्छी रहेगी तथापि व्ययाधिक्य के कारण परेशानी हो सकती है। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा मध्यम रहेगी तथा यदा कदा आपको सम्मान अवश्य मिलेगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। अतः धैर्य एवं संयम पूर्वक कार्य सम्पन्न करें।

प्रथम मास
06/10/2026 10:46:58 से 05/11/2026 14:59:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:16:11
सूर्य		कन्या	हस्त	18:44:39
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	23:23:06
मंगल		कर्क	पुष्य	10:28:12
बुध		तुला	स्वाति	13:03:09
गुरु		कर्क	आश्लेषा	26:16:24
शुक्र	व	तुला	स्वाति	14:05:28
शनि	व	मीन	रेवती	16:56:06
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	04:52:13
केतु		सिंह	मघा	04:52:13
मुंथा		वृष	रोहिणी	14:25:59

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

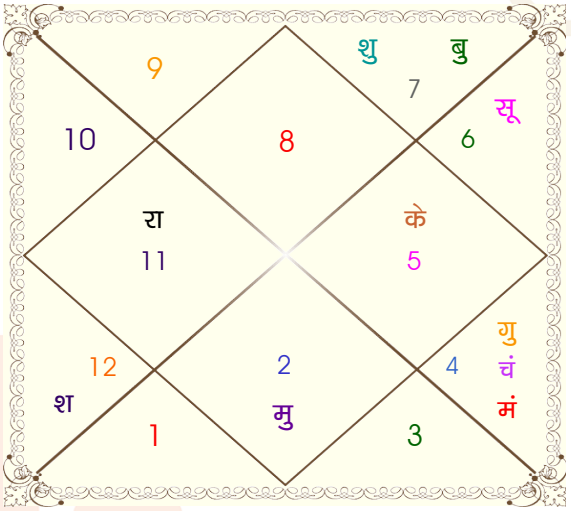

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु की तरफ से भी चिन्ता बनी रहेगी। आप में इस समय उत्साह की न्यूनता भी परिलक्षित होगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। आप शरीर से भी अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे तथा मन में लालच के भाव की भी प्रधानता होगी। साथ ही आप अपने शरीर का पूर्ण ध्यान नहीं रखेंगे। अपने बन्धुजनों से आपके सम्बन्धों में तनाव भी उत्पन्न होगा एवं मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिससे मानसिक तनाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य जनों से भी संघर्ष होने का भय बना रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी समय समय पर घटित होंगे।अतः आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं बुद्धिमत्ता से अपने अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगे। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

द्वितीय मास

05/11/2026 14:59:40 से 05/12/2026 08:36:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:52:49
सूर्य		तुला	स्वाति	18:44:39
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:57:52
मंगल		कर्क	आश्लेषा	26:34:08
बुध	व	तुला	स्वाति	16:54:51
गुरु		सिंह	मघा	00:36:01
शुक्र	व	तुला	चित्रा	00:08:34
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	14:47:11
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	02:37:38
केतु	व	सिंह	मघा	02:37:38
मुंथा		वृष	रोहिणी	16:55:59

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

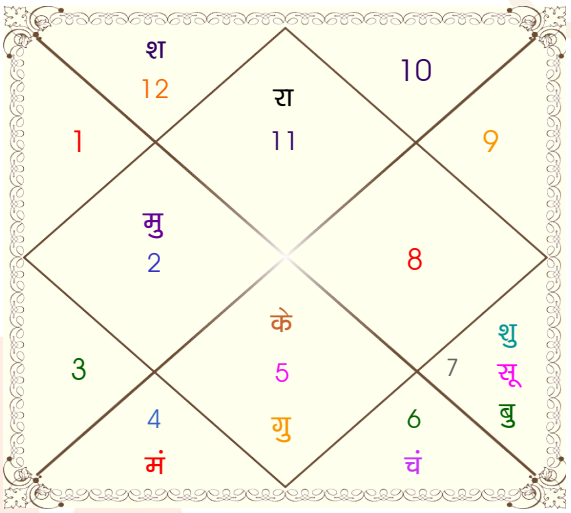

इस मास में आपके लिए मिलेजुले शुभाशुभ फल होंगे।अतः शारीरिक रूप से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे।साथ ही दुश्मनों से भी आपको भय तथा चिन्ता का वातावरण प्राप्त होगा फलतः मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे। इस समय पारिवारिक जनों से भी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से आपसी सम्बन्धों में तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में इस मास हानि या मंदी आ सकती है साथ ही कोई परिवर्तन भी हो सकता है या संबधित कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य लोगों से भी आपके संबन्धों में कटुता उत्पन्न होगी। अतः सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिकत शरीर में रोग तथा धन की हानि होने की भी सम्भावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे जिससे आप उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगे एवं कार्यों में किंचित उन्नति का भी आभास होगा। आप इस समय दूर समीप की यात्रा भी करेंगे एवं नवीन वस्त्रादि की भी प्राप्ति होगी। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

तृतीय मास
05/12/2026 08:36:40 से 03/01/2027 20:08:36 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	11:00:14
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:44:39
चन्द्र		तुला	चित्रा	04:59:59
मंगल		सिंह	मघा	09:10:47
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	03:55:00
गुरु		सिंह	मघा	02:41:12
शुक्र		तुला	चित्रा	06:16:20
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	13:43:36
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	29:22:15
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	29:22:15
मुंथा		वृष	रोहिणी	19:25:59

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

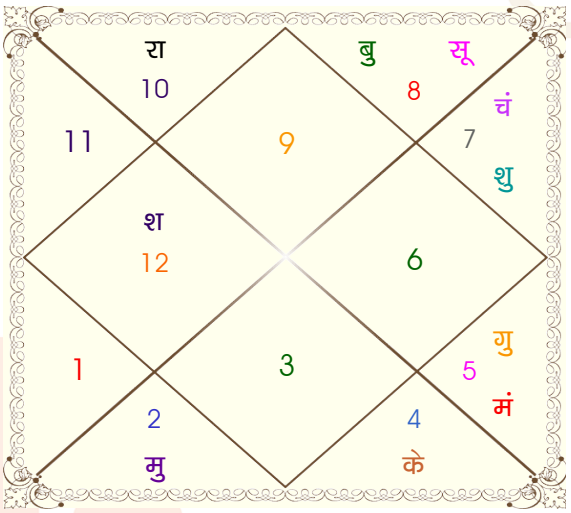

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी। आपके शत्रु इस समय अधिक प्रबल होंगे फलतः शत्रु पक्ष से भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है ।अतः सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। नौकरी या व्यवसाय में अपने उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित या जुर्माना प्राप्त कर सकते हैं। इस मास आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। इसके साथ ही आप किसी कठोर कार्य को भी सम्पन्न कर सकते हैं। जिसका प्रभाव आपकी प्रतिष्ठा पर पड़ेगा तथा इससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। आपकी मित्रों तथा सम्बन्धियों से भी इस समय सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा आशाओं में पूर्ण सफलता प्राप्त करने में भी असमर्थ रहेंगे।

साथ ही इस समय आप पित्तादि दोषों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रुधिर विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः इस मास शारीरिक सुरक्षा का भी आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए जिससे अल्प मात्रा में ही कष्ट हो।

चतुर्थ मास
03/01/2027 20:08:36 से 02/02/2027 07:34:01 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	22:28:29
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:44:39
चन्द्र		वृश्चिक	विशाखा	02:35:32
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:53:38
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:52:12
गुरु	व	सिंह	मघा	02:02:10
शुक्र		वृश्चिक	विशाखा	01:53:16
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:11:57
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	27:01:14
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	27:01:14
मुंथा		वृष	रोहिणी	21:55:59

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

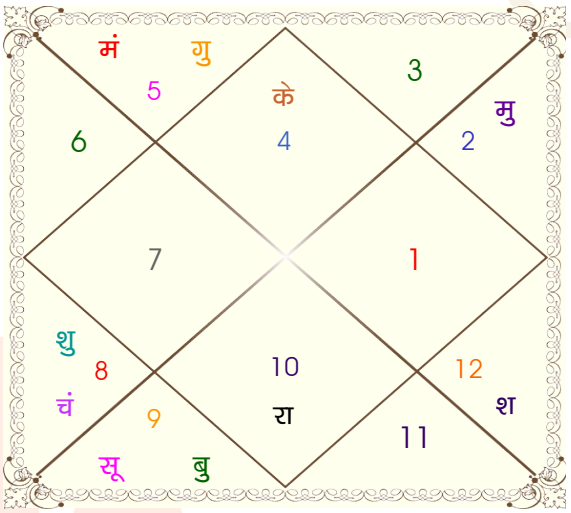

यह मास आपके लिए पूर्ण शुभ तथा प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी जिसमें आप सफलता अर्जित करेंगे। आप मन से भी इस समय शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे तथा अन्य वांछित पदार्थो की भी आपको प्राप्ति होगी। संतति पक्ष से भी आप सुखार्जन करेंगे एवं सम्बन्धियों के मध्य मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय में सम्पन्न होंगे तथा आप प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा अन्य पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा धन लाभ प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा सुख पूर्वक समय व्यतीत करके समाज में पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करेंगे।

पंचम् मास
02/02/2027 07:34:01 से 04/03/2027 00:53:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	धनिष्ठा	26:45:31
सूर्य		मकर	श्रवण	18:44:39
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:06:58
मंगल	व	सिंह	मघा	12:52:19
बुध		कुम्भ	शतभिषा	06:59:01
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	28:58:32
शुक्र		धनु	मूल	04:01:26
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	16:07:35
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:20:22
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:20:22
मुंथा		वृष	मृगशिरा	24:25:59

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

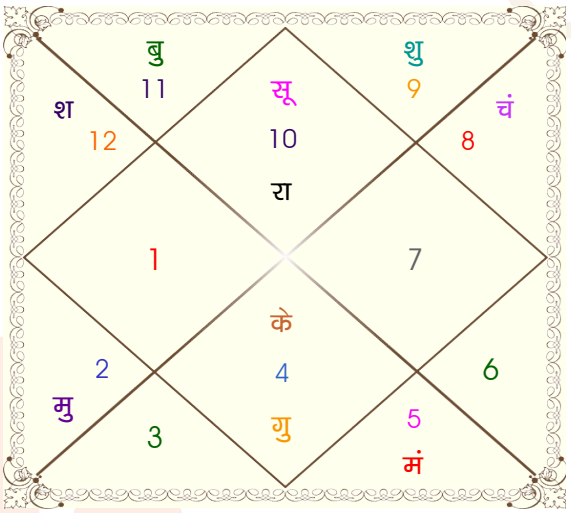

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप संतति पक्ष से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। इस समय आपके प्रभुत्व में भी वृद्धि होगी तथा अन्य लोग आपके प्रभुत्व को हृदय से स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजन एवं सम्मान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा आपकी मनोकामनाएं पूर्ण होगी फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से भी वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति कर सकते है। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत होगा।

षष्ठ मास

04/03/2027 00:53:40 से 03/04/2027 04:44:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	15:38:46
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	18:44:39
चन्द्र		धनु	उत्तराषाढ़ा	27:48:36
मंगल	व	सिंह	मघा	01:54:11
बुध		मकर	धनिष्ठा	26:41:16
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	25:11:14
शुक्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:46:22
शनि		मीन	रेवती	19:09:16
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:13:07
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:13:07
मुंथा		वृष	मृगशिरा	26:55:59

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

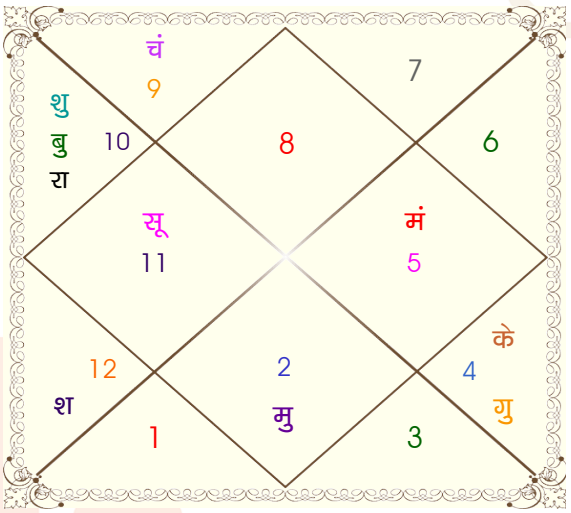

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा इनको किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। साथ ही शत्रु पक्ष भी प्रबल रहेगा जिससे वे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे अतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस समय आपमें उत्साह के भाव की अल्पता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आप आर्थिक संकट भी प्राप्त कर सकते है। आपके मन में इस मास में लोभ के भाव की बहुलता रहेगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा मित्रों एवं बन्धु वर्ग से संबधों में इस समय तनाव रहेगा तथा मित्र भी शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। अतः हृदय से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही पारिवारिक तथा अन्य सामाजिक जनों से भी परस्पर वाद विवाद होते रहेंगे अतः संयम पूर्वक समय को व्यतीत करना चाहिए जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इससे आप स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे एवं इनसे आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इसके साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप प्रसन्न रहेंगे।

सप्तम् मास
03/04/2027 04:44:12 से 03/05/2027 21:03:52 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	18:33:38
सूर्य		मीन	रेवती	18:44:39
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	01:36:39
मंगल		कर्क	आश्लेषा	26:41:51
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:07:49
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	22:55:02
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	14:57:13
शनि		मीन	रेवती	22:49:38
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	25:04:52
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	25:04:52
मुंथा		वृष	मृगशिरा	29:25:59

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

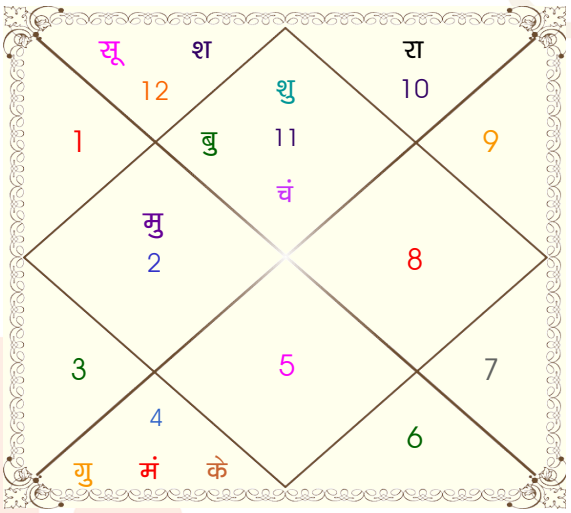

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी आपके परस्पर संबध मधुर नहीं रहेगे अतः तनाव का वातावरण रहेगा। आपके व्यापार या कार्य क्षेत्र में इस मास मन्दी आ सकती है तथा स्थान परिर्वतन का योग भी बनता है ।साथ ही अस्थाई कार्य यदि कोई हो तो वह छूट सकता है। समाज में लोगों से इस मास आपके तनाव पूर्ण संबध रहेंगे फलतः सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग उत्पन्न हो सकते है तथा अनावश्यक रूप से भी धन व्यय होगा फलतः आप यदाकदा दुःखी रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वात या ठण्ड से उत्पन्न होने वाले रोगों से भी पीड़ित हो सकते हैं। इस समय आप किसी ऐसे कार्य करने के लिए प्रवृत होंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। साथ ही समाज में भी आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी धन हानि का योग बनता है अतः सम्पूर्ण मास सावधानी पूर्वक अपने क्रिया कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
03/05/2027 21:03:52 से 04/06/2027 00:30:06 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:49:23
सूर्य		मेष	भरणी	18:44:39
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	13:14:40
मंगल		सिंह	मघा	02:02:50
बुध		मेष	भरणी	24:21:51
गुरु		कर्क	आश्लेषा	23:23:51
शुक्र		मीन	रेवती	22:07:01
शनि		मीन	रेवती	26:38:46
राहु	व	मकर	श्रवण	22:17:48
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	22:17:48
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	01:55:59

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

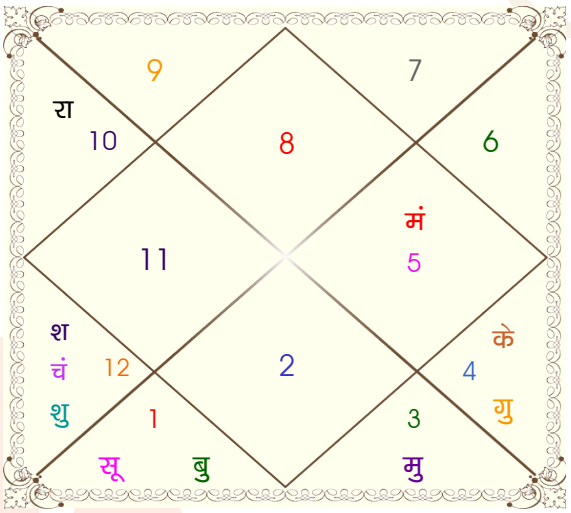

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को अर्जित करेंगे। इस समय शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे एवं घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेंगी। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से आप शारीरिक तथा मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी। इस समय आप दूर या समीप की कोई यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं।आपके सांसरिक कार्य इस मास में अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्यय अधिक होगा। अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आपको समय समय पर शुभफल भी प्राप्त होंगे।अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं महिला सहयोगियों से भी लाभार्जन करेंगे। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धनार्जन प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। इस मास में धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे तथा समाज में आपको पूर्ण यश प्राप्त होगा।

नवम् मास
04/06/2027 00:30:06 से 05/07/2027 10:30:35 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	15:01:23
सूर्य		वृष	रोहिणी	18:44:39
चन्द्र		वृष	कृतिका	04:43:25
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:10:53
बुध		मिथुन	आर्द्रा	10:16:10
गुरु		कर्क	आश्लेषा	26:32:38
शुक्र		मेष	कृतिका	29:59:28
शनि		मेष	अश्विनी	00:04:40
राहु	व	मकर	श्रवण	19:05:01
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	19:05:01
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	04:25:59

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

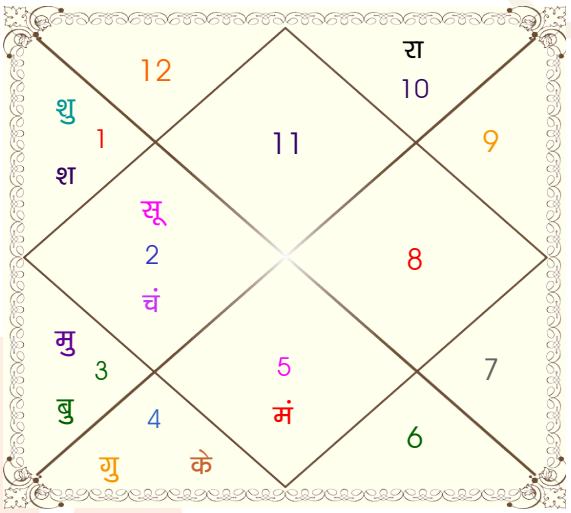

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सफल होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्यार्जन करने में समर्थ होंगे तथा पुत्र संतति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास में ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा इसमें आप सफल भी होंगे। आपके प्रभुत्व में इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी योग्यता को स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होंगे तथा कहीं से शुभ समाचार भी मिलेगा जिससे आपको प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करने में भी सफल रहेंगे। इस समय समाज से आपको पूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। अतः मानसिक रूप से आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ यदाकदा इस मास में अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाली बीमारियों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही इस समय आप रक्त विकार से भी पीड़ित हो सकते है। अतः अपने समस्त सांसारिक कार्यकलापों को करने में सतर्कता का अनुपालन करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

दशम् मास
05/07/2027 10:30:35 से 05/08/2027 20:36:15 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:28:09
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	18:44:39
चन्द्र		कर्क	पुष्य	04:04:58
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	00:08:09
बुध		मिथुन	मृगशिरा	03:13:50
गुरु		सिंह	मघा	01:39:04
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	08:21:26
शनि		मेष	अश्विनी	02:33:58
राहु	व	मकर	श्रवण	17:24:56
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	17:24:56
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	06:55:59

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

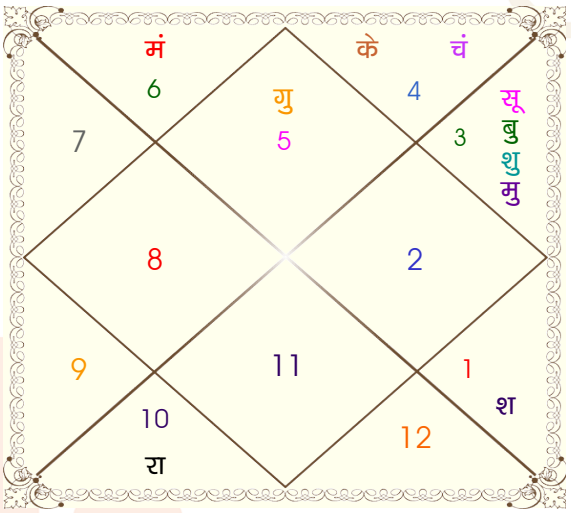

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल दायक रहेगा परन्तु न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इस समय आप स्त्रीवर्ग से पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूर्ण होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य ठीक ही रहेगा तथा मन में भी शान्ति रहेगी। अध्ययन के प्रति भी आप की रूचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस मास में आप को मनोवांछित द्रव्य पदार्थो की भी प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा विगत असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पितरोगों से शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही रूधिर विकार की भी संभावना रहेगी। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधान रहें तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

एकादश मास

05/08/2027 20:36:15 से 06/09/2027 00:16:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	19:46:20
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	18:44:39
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:28:42
मंगल		कन्या	हस्त	18:23:53
बुध		कर्क	पुष्य	12:16:18
गुरु		सिंह	मघा	07:55:19
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	16:58:53
शनि		मेष	अश्विनी	03:37:10
राहु	व	मकर	श्रवण	17:14:12
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	17:14:12
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	09:25:59

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

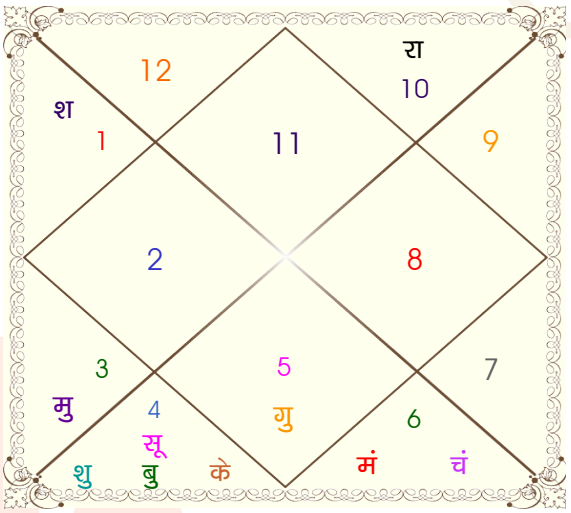

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही नवीन ज्ञानार्जन करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे।आपके महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी सुनने को मिलेगा।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा के कार्य में तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग से भी लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में आप सफल होंगे।साथ ही आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से मुक्ति मिलेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धनार्जन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में समर्थ सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय धर्मानुपालन में तत्पर रह कर समाज के सभी लोगों में आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति रहेंगे तथा वे आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

द्वादश मास

06/09/2027 00:16:40 से 06/10/2027 16:56:08 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	03:20:17
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:44:39
चन्द्र		तुला	विशाखा	25:22:40
मंगल		तुला	स्वाति	08:11:00
बुध		कन्या	उ०फाल्गुनी	09:15:12
गुरु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:38:04
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	25:32:00
शनि	व	मेष	अश्विनी	03:00:50
राहु	व	मकर	श्रवण	16:48:22
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	16:48:22
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	11:55:59

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

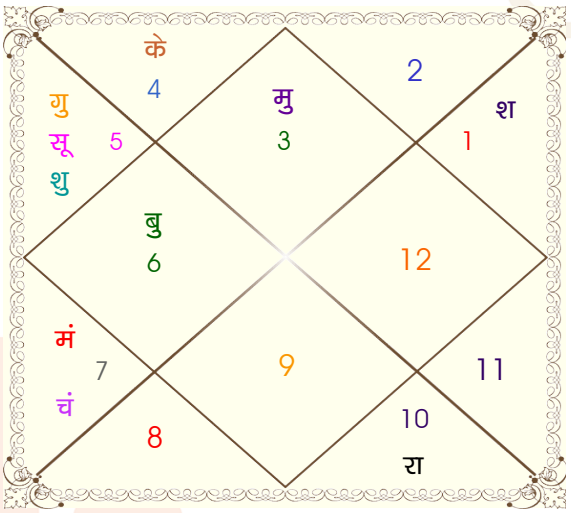

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं शान्तिपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस महीने आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही आयस्त्रोतों में वृद्धि होगी तथा वांछित लाभ भी प्राप्त करेंगे। इससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप धनार्जन करेंगे। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी। इसके अलावा आपके चिर प्रतीक्षित महत्वपूर्ण कार्य भी इसी मास में सफल होंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा इनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही सांसारिक कार्यो को सफल बनाने में भी आप समर्थ होंगे। आपका उच्चाधिकारी वर्ग भी इस समय आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेगा तथा इनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग मिलता रहेगा।

साथ ही इस मास में स्त्री एवं पुत्र से आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं आदि प्राप्त करने में सफल हो सकते है। इस प्रकार आप सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।